गन्ना पेराई में देरी से चीनी उत्पादन 13 फीसदी गिरा

[एजेंसी । नई दिल्ली]

गन्ने की पेराई में देर होने से इस साल अब तक देश में शुगर प्रॉडक्शन 13 पर्सेंट से ज्यादा गिरकर 1.43 करोड़ टन पर आ गया है। इंडस्ट्री बॉडी इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (आईएसएमए) ने मंगलवार को बताया कि गन्ना किसानों की बकाया राशि बढ़कर 12,000 करोड़ रुपये को पार चुकी है। आईएसएमए ने बताया कि मार्केटिंग ईयर (अक्टूबर-सितंबर) 2012-13 की इसी अवधि में मिलों ने 1.65 करोड़ टन शुगर का प्रॉडक्शन किया था। आईएसएमए के मुताबिक, महाराष्ट्र में शुगर आउटपुट 49.8 लाख टन पहुंच चुका है, जबकि उत्तर प्रदेश में यह 18 पर्सेंट घटकर 35.7 लाख टन पर आ गया है। वहीं, इस साल कर्नाटक में उत्पादन 4 पर्सेंट कमी के साथ 27 लाख टन रहा।

चीनी उत्पादन में अव्वल देश के दो राज्यों महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में शुगर रिकवरी 10.96 पर्सेंट और 8.91 पर्सेंट रही। करेंट मार्केटिंग ईयर 2013-2014 में फरवरी तक गुजरात में 7.5 लाख टन, आंध्र प्रदेश में 6.6 लाख टन और तमिलनाडु में 4.5 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है। आईएसएमए ने अपने एक बयान में यह भी बताया कि इस साल जनवरी तक रॉ शुगर प्रॉडक्शन 8 लाख टन तक पहुंच चुका है। वहीं, चीनी मिलों को उम्मीद है कि करेंट मार्केटिंग ईयर के बचे हुए महीनों में वे और 10 लाख टन चीनी का प्रॉडक्शन कर सकती हैं। गन्ने की बकाया राशि के मामले पर इंडस्ट्री बॉडी आईएसएमए ने कहा कि किसानों का अभी 12,000 करोड़ रुपए बकाया है। इसमें 8000 करोड़ रुपए उत्तर प्रदेश में और 3000 करोड़ रुपए कर्नाटक में बाकी हैं।

चीनी उत्पादन में अव्वल देश के दो राज्यों महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में शुगर रिकवरी 10.96 पर्सेंट और 8.91 पर्सेंट रही

एक्सपोर्ट के मामले में आईएसएमए ने बताया कि इस साल जनवरी तक 8.50 लाख टन शुगर ओवरसीज मार्केट में बेचा जा चुका है। इसमें 4.5 लाख टन रॉ शुगर और बाकी रिफाइंड थी। आईएसएमए ने यह भी बताया कि और 1.2 से 2 लाख शुगर एक्सपोर्ट किया जा रहा है। इसमें ज्यादातर रॉ शुगर शामिल है।

Economic Times

19/2/14